• डेटशीट...

यूजी अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 28 मार्च से शुरू

शिमला : हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की स्नातक डिग्री कोर्स के अंतिम वर्ष की पूर्व में जारी संभावित डेटशीट पर आई आपत्तियों के बाद इसमें बदलाव कर फाइनल डेटशीट जारी कर दी है। 28 मार्च से यूजी डिग्री कोर्स बीए, बीएससी, बी कॉम और शास्त्री की अंतिम वर्ष की परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी जो 8 मई तक चलेंगी। विवि के परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी डेटशीट को परीक्षार्थियों की सूचना के लिए विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इसे छात्र देख और डाउलोड कर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक प्रो. श्याम लाल कौशल ने परीक्षा के शेड्यूल के साथ ही कॉलेजों को तय की गई 22 मई तक हर हाल में छात्रों के इंटरनल असेस्मेंट, सीसीए को अपलोड करने और इसकी वेरिफिकेशन करने को रिमाइंडर भेजा है।

इसमें चेताया गया है कि इंटरनल असेस्मेंट, सीसीए अपलोड और वेरिफाई न होने पर छात्रों के परीक्षा रोलनंबर जनरेट नहीं होंगे। रोलनंबर को लेकर पेश आने वाली परेशानी के लिए पूरी तरह से कॉलेज जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कॉलेजों को समय से इंटरनल असेस्मेंट अपलोड और वेरिफाई करने को कहा है। विवि की अंतिम वर्ष की परीक्षाएं प्रदेश भर में स्थापित किए 157 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जानी है। इसमें करीब तीस हजार विद्यार्थी भाग लेंगे।

अंतिम वर्ष की परीक्षाओं का शेड्यूल फाइनल होने के बाद जारी कर दिया गया है, यूजी प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं की डेटशीट को विवि जल्द फाइनल कर जारी करेगा। यूजी प्रथम वर्ष के छात्रों को दो कंपार्टमेंट परीक्षा उत्तीर्ण करने को मिले मौकों के बावजूद पास न हो पाने पर अतिरिक्त मौका दिए जाने पर विवि को फैसला लेना है। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग से मंजूरी मिलने का इंतजार है। आयोग से अनुमति मिलने पर विवि इन दो कक्षाओं के परीक्षा शेड्यूल में आवश्यक बदलाव करना पड़ेगा। इसलिए इसकी डेटशीट जारी नहीं की गई है।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. श्याम लाल कौशल ने कहा कि कॉलेजों से हर छात्र का इंटरनल असेस्मेंट शिक्षक के लॉग इन आईडी से अपलोड होने और प्राचार्य से वेरिफाई होने के बाद ही छात्रों के लागइन आईडी से रोलनंबर जनरेट और डानलोड हो सकेगा। कॉलेज इंटरनल असेस्मेंट अपलोड, वेरिफिकेशन प्राथमिकता के आधार पर 22 मार्च तक हर हाल में पूरा करे। ऐसा न करने पर छात्रों को रोलनंबर ऑनलाइन नहीं मिल पाएंगे। इस परेशानी के लिए कॉलेज जिम्मेदार होंगे।

• आयोजन...

चंबा का ऐतिहासिक सुही मेला 11 से 13 अप्रैल तक

चंबा : जिला चंबा का सुप्रसिद्ध व ऐतिहासिक सुही मेला 11 से 13 अप्रैल तक मनाया जा रहा है तीन दिन तक चलने वाले इस मेले में केवल महिलाएं और बच्चे ही सम्मिलित होते हैं। मेले के प्रथम दिन चंबा स्थित पिंक पैलेस से सुही माता मंदिर तक एक भव्य एवं ऐतिहासिक यात्रा निकाली जाती है, जबकि दूसरे दिन सुही माता मंदिर से मलूणा (रानी सुनयना का समाधि स्थल) यात्रा का आयोजन किया जाता है। मेले के तीसरे दिन यात्रा का पड़ाव मंदिर स्थल होता है मेला आयोजन के तीनों दिन स्थानीय वासियों द्वारा लंगर का आयोजन किया जाता है इसके अलावा गद्दी समुदाय की महिलाओं द्वारा गुरई नृत्य प्रस्तुत किया जाता है तथा जिसमें रानी सुनयना के बलिदान व इससे जुड़े इतिहास की झलक देखने को मिलती है।

लोककथा के अनुसार छठी शताब्दी में चंबा की रानी सुनयना प्रजा की प्यास बुझाने की खातिर जिंदा जमीन में दफन हो गई थीं। ऐसा कहा जाता है कि चंबा नगर की स्थापना के समय नगर में पानी की गंभीर समस्या थी। इस समस्या को दूर करने के लिए चंबा के राजा ने नगर से करीब दो मील दूर सरोथा नामक नाला से नगर तक कूहल द्वारा पानी लाने का आदेश दिया। राजा के आदेशों पर कूहल का निर्माण कार्य किया गया मगर कर्मचारियों के प्रयासों के बावजूद इसमें पानी नहीं आया। कथा के अनुसार एक रात राजा को सपने में आकाशवाणी सुनाई दी जिसमें कहा गया कि कूहल में पानी तभी आएगा जब पानी के मूल स्त्रोत पर रानी अथवा एक पुत्र को जीवित जमीन में दफना दिया जाए। राजा इस स्वप्न को लेकर काफी परेशान रहने लगा। इस बीच रानी सुनयना ने राजा से परेशानी का कारण पूछा तो उसने स्वप्न की सारी बात बता दी। लिहाजा रानी ने खुशी से प्रजा की खातिर अपना बलिदान देने का निर्णय सुनाया। हालांकि राजा और प्रजा नहीं चाहती थी कि रानी पानी की खातिर अपना बलिदान दें, लेकिन रानी ने अपना हठ नहीं छोड़ा और लोकहित में जिंदा दफन होने के लिए सबको राजी कर लिया। कहा जाता है कि जिस वक्त रानी पानी के मूल स्त्रोत तक गई तो उसके साथ अनेक दासियां, राजा, पुत्र और हजारों की संख्या में लोग भी पहुंचे। बलोटा गांव से लाई जा रही कूहल पर एक बड़ी क्रब तैयार की गई और रानी साज-शृंगार के साथ जब उस क्रब में प्रवेश कर गई तो पूरी घाटी आंसुओं से सराबोर हो गई। कहा जाता है कि क्रब में ज्यों ज्यों मिट्टी भरने लगी, कूहल में भी पानी चढ़ने लग पड़ा। चंबा शहर के लिए आज भी इसी कूहल में पानी बहता है, लेकिन वक्त के बदलते दौर के साथ शहर में अब नलों के जरिए इस कूहल का पानी पहुंचाया जाता है। इस तरह चंबा नगर में पानी आ गया और राजा साहिल बर्मन ने रानी की स्मृति में नगर के ऊपर बहती कूहल के किनारे रानी की समाधि बना दी। इस समाधि पर रानी की स्मृति में एक पत्थर की प्रतिमा विराजमान है, जिसे आज भी चंबा के लोग विशेषकर औरतें अत्यन्त श्रद्धा से पूजती हैं। प्रति वर्ष रानी की याद में 15 चैत्र से पहली बैशाखी तक मेले का आयोजन किया जाता है जो कि सुही मेला के नाम से प्रसिद्ध है। मेले का नाम रानी सुनयना देवी के पहले अक्षर से रखा गया प्रतीत होता है।

नशामुक्ति केंद्र खोलने की नियत पर तीखी टिप्पणी

मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव व न्यायाधीश ज्योत्सना रिवाल दुआ की खंडपीठ ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि प्रदेश में नशाखोरी का प्रचलन तेजी से बढ़ा है।

सरकार से उम्मीद है कि वह नशामुक्ति में तेजी लाने के लिए नशामुक्ति केंद्रों की स्थापना करेगी। परंतु इसके लिए बड़े पैमाने पर भूमि की तलाश करने पर अड़ना सरकार की मंशा को जाहिर करता है...

• **खजूरिया, शिमला**

प्रदेश हाईकोर्ट ने सरकार की नशामुक्ति केंद्र खोलने की नियत पर तीखी टिप्पणी करते हुए सकारात्मक सोच दिखाते हुए ताजा स्टेट्स रिपोर्ट दायर करने के आदेश दिए। राज्य सरकार ने कोर्ट को केवल यह बताया कि सभी जिला अस्पतालों, नागरिक चिकित्सालयों और कम्यूनिटी हेल्थ सेंटर में नशामुक्ति सुविधाएं शुरू कर दी गई है। कोर्ट ने इसे नाकाफी बताते हुए कहा कि सरकार की स्टेट्स रिपोर्ट से प्रतीत होता है कि इस मुद्दे से निपटने में सरकार कतई गंभीर नहीं है। इससे पहले सरकार ने नशामुक्ति केंद्र खोलने में बड़े पैमाने पर भूमि की आवश्यकता बताई थी। मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव व न्यायाधीश ज्योत्सना रिवाल दुआ की खंडपीठ ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि प्रदेश में नशाखोरी का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। सरकार से उम्मीद है कि वह नशामुक्ति में तेजी लाने के लिए नशामुक्ति केंद्रों की स्थापना करेगी। परंतु इसके लिए बड़े पैमाने पर भूमि की तलाश करने पर अड़ना सरकार की मंशा को जाहिर करता है। कोर्ट ने किन्नौर, लाहौल एवं स्पीति और बिलासपुर में नशा मुक्ति केंद्रों से जुड़ी स्टेट्स रिपोर्ट का अवलोकन करने के पश्चात सरकार को सकारात्मक सोच के साथ ताजा स्टेट्स रिपोर्ट दायर करने के आदेश जारी किए। कोर्ट ने वित्तीय तंगी के कारण नशामुक्ति केंद्रों की दयनीय स्थिति से जुड़े मामले में सरकार से पूछा था कि जहां एनजीओ संचालित नशामुक्ति केंद्र नहीं है, वहां क्या कदम उठाए जा रहे हैं। कोर्ट ने स्टेट्स रिपोर्ट के माध्यम से यह बताने को भी कहा था कि नशा पीड़ितों को सरकारी अस्पतालों में कितने बिस्तर प्रत्येक जिले में उपलब्ध है। इस मामले में हाईकोर्ट ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता) एवं निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता को भी प्रतिवादि बनाया गया है। हाईकोर्ट ने अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर पर स्वत: संज्ञान लेते हुए यह आदेश जारी किए। खबर में बताया गया है कि हिमाचल को नशा मुक्त राज्य बनाने के राज्य सरकार के दावों के बावजूद, एकीकृत व्यसन पुनर्वास केंद्र की स्थिति एक अलग कहानी कहती है। जबकि कुल्लू (महिला), धर्मशाला, चंबा, मंडी, सिरमौर, बिलासपुर और सोलन में स्थापित केंद्र पहले अनुदान प्राप्त होने के बावजूद अभी तक चालू नहीं हुए हैं। 2019 में शिमला में शुरू किया गया 15 बेड का केंद्र बंद होने की कगार पर है, क्योंकि पिछले चार वर्षों के दौरान केंद्र से अनुदान राशि प्राप्त नहीं हुई है। उक्त केंद्र नए मरीजों को जोड़ने की स्थिति में नहीं है। वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों को भी छुट्टी पर जाना पड़ा है। किराए के भवन में स्थित होने के कारण यह केंद्र किरायाए बिजली, पानी, टेलीफोन और इंटरनेट शुल्क का भुगतान करने में असमर्थ है और इसके अलावा, पीड़ितों को दवा और भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल हो गया है। ओपीडी और आईपीडी की सुविधा भी बंद कर दी गई है। खबर में यह भी बताया गया है कि इस केंद्र ने उच्च अधिकारियों के साथ अपनी चिंताओं को साझा किया है लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रदेश में मादक पदार्थों की लत के मामले बढ़ रहे हैं।

प्रदेश में शिमला, कुल्लू, ऊना और हमीरपुर में 60 बिस्तरों की कुल क्षमता के साथ चार कार्यात्मक आईआरसीए हैं। अन्य तीन पूरी क्षमता से चल रहे हैं लेकिन इन्हें भी वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। मामले पर सुनवाई 2 अप्रैल को होगी।

10 दिन बाद एफआईआर दर्ज

शिमला : रामपुर में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। यह मर्डर बीते 12 मार्च को हुआ है। हत्या के इस मामले में 10 दिन बाद रामपुर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई। मृतक की पहचान गगन कुमार निवासी नेपाल के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार, 12 मार्च को आधी रात में गगन शराब पीकर दलोग गांव चला गया। आरोप है कि गांव में उसने गाड़ी के शीशे तोड़ दिए और गाड़ी में बैठ गया। इस दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद गगन के परिजन उसे वापस ले जा रहे थे, तो उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक के परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। डीएसपी रामपुर रमेश शर्मा ने बताया कि पिछले कल ही मामला दर्ज किया गया है। जल्द आरोपियों कि गिरफ्तारी होगी। नेपाली की हत्या कैसे और क्यों की गई, इसकी जांच चल रही है।

• कार्रवाई...

उद्योग पर ईडी का छापा

नाहन : जिला सिरमौर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब के एक सिक्का (लेड) उद्योग में दबिश देकर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने देर रात तक रिकॉर्ड खंगाला। तीन सदस्यों की टीम ने सुबह करीब 8:00 बजे के आसपास फैक्ट्री में दबिश दी। सूत्रों की मानें तो मामला करोड़ों के जीएसटी टैक्स चोरी का बताया जा रहा है। टीम ने दबिश देने के बाद फैक्ट्री में मौजूद तमाम कर्मचारियों के मोबाइल कब्जे में लिए और रिकॉर्ड खंगालने में जुट गई।

देर शाम तक टीम रिकॉर्ड खंगालने में जुटी रही, लेकिन ये सारी कार्रवाई बेहद गोपनीय तरीके से अंजाम दी गई। हालांकि, कालाअंब में इस तरह की कार्रवाई पहली बार नहीं हुई है। इससे पहले भी कई मर्तबा इस तरह की गोपनीय कार्रवाई को अंजाम दिया जा चुका है। लिहाजा, अनुमान लगाया जा रहा है कि औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब के कुछ उद्योग केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। उधर फैक्ट्री प्रबंधन का कहना है कि उनके द्वारा किसी भी तरह का कोई टैक्स चोरी नहीं किया गया है। उनका टैक्स संबंधित तमाम रिकॉर्ड पूरी तरह से सही है। टीम को पूरा सहयोग किया जा रहा है।

• लोक सेवा आयोग को चिट्ठी...

शिमला : आखिरकार जूनियर ऑफिस असिस्टेंट पोस्ट कोड 817 का परीक्षा परिणाम निकलने को लेकर कार्मिक विभाग ने राज्य लोक सेवा आयोग को पत्र भेज दिया है। इस पत्र में कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए कहा गया है कि राज्य सरकार पोस्ट कोड 817 को लोक सेवा आयोग से वापस लेकर राज्य चयन आयोग हमीरपुर को देना चाह रही है। अब यह मामला लोक सेवा आयोग के फुल कमीशन में लगेगा, वहां से अनुमति के बाद फाइल वापस कार्मिक विभाग को आएगी। इसके बाद नोटिफिकेशन का ड्राफ्ट विधि विभाग को जाएगा।